शुभसन्देश
कहानी पुस्तक
एक

यह मेरी शुभसन्देश कहानी पुस्तक एक है

मेरा नाम ________________________________ है

मैं अपनी शुभसन्देश
कहानी पुस्तक एक को पढ़ सकता हूँ

ये कहानियाँ सृजनहार परमेश्वर के पवित्र ग्रन्थ में से हैं।

इस कहानी पुस्तक के सभी चित्र भारत के आदिवासी बच्चों ने बनाए हैं।
शुभसन्देश कहानी पुस्तक एक। कॉपीराइट 2013. भारत में मुद्रित।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें: WBTC India, P.O. Box 8478, Bangalore 560084.
Email: info@wbtcindia.com

सृजनहार परमेश्वर 2-9
सबसे बलवान 10-13
अन्धेरे में खोए हुए...................................... 14-24

सृजनहार परमेश्वर

मैं तारे देख सकता हूँ।
तारे गा रहे हैं।

मैं पशुओं को देख सकता हूँ।
पशु गा रहे हैं।

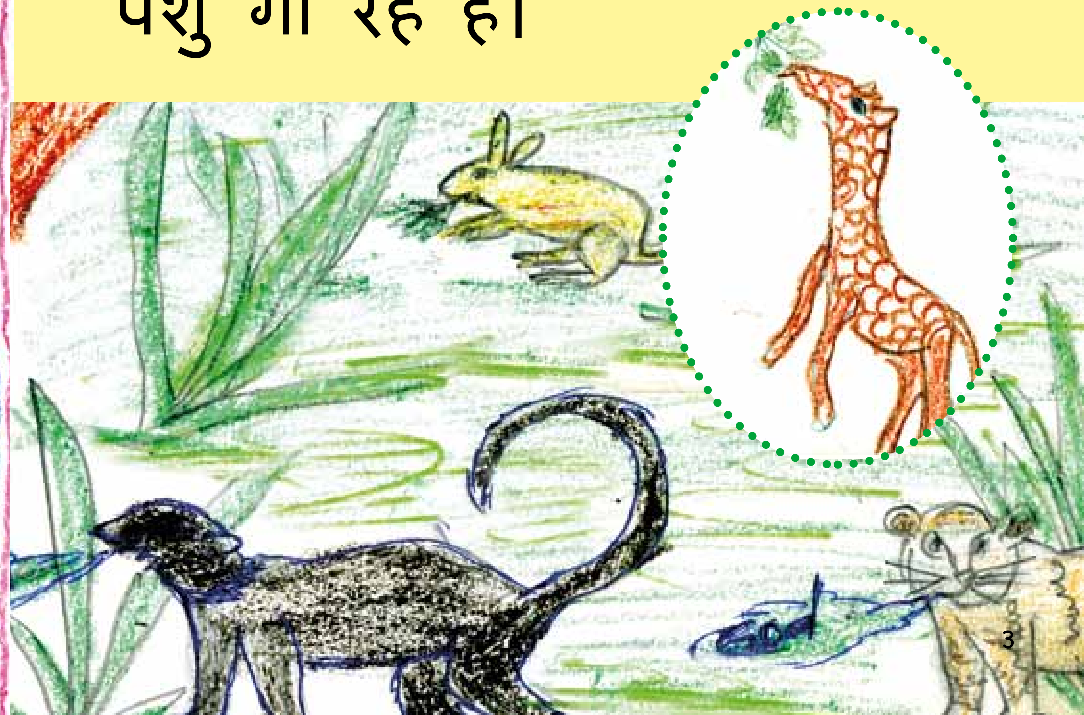

मैं आत्माओं को देख सकता हूँ।
आत्माएँ गा रही हैं।

मैं सबसे पहले आदमी और औरत को देख सकता हूँ।

सबसे पहला आदमी और औरत गा रहे हैं।

मैं सृजनहार परमेश्वर को
यह कहते सुन सकता हूँ,

‘मैं तुमसे प्यार करता हूँ!’
मैंने गाना शुरू कर दिया।

मैं सृजनहार परमेश्वर को
यह कहते सुन सकता हूँ,

‘मेरे इस उत्तम संसार
की देखभाल करो।’

मैं सुन सकता हूँ कि सबकुछ
गा रहा है...गा रहा है...गा रहा है।

सबकुछ सृजनहार परमेश्वर
के लिए गा रहा है।

सृजनहार परमेश्वर ने
सबकुछ सृजा है।

सबसे बलवान

मैं बुरी आत्मा को
यह कहते सुन सकता हूँ,

मैं सृजनहार परमेश्वर
के बराबर हो जाऊँगा।'

मैं अच्छी आत्माओं को
यह कहते सुन सकता हूँ,

'सृजनहार परमेश्वर के लिए गाओ।'

मैं बुरी और अच्छी आत्माओं को
लड़ते हुए देख सकता हूँ।

अच्छी आत्माएँ जीत रही हैं।

मैं बुरी आत्माओं को
गिरते...गिरते...गिरते...
हुए देख सकता हूँ।

सृजनहार परमेश्वर
सबसे बलवान है!’

अन्धेरे में खोए हुए

मैं सबसे पहले आदमी और
औरत को देख सकता हूँ।

मैं सृजनहार परमेश्वर को
यह कहते सुन सकता हूँ,

'भले और बुरे के ज्ञान
के पेड़ का फल न खाना।'

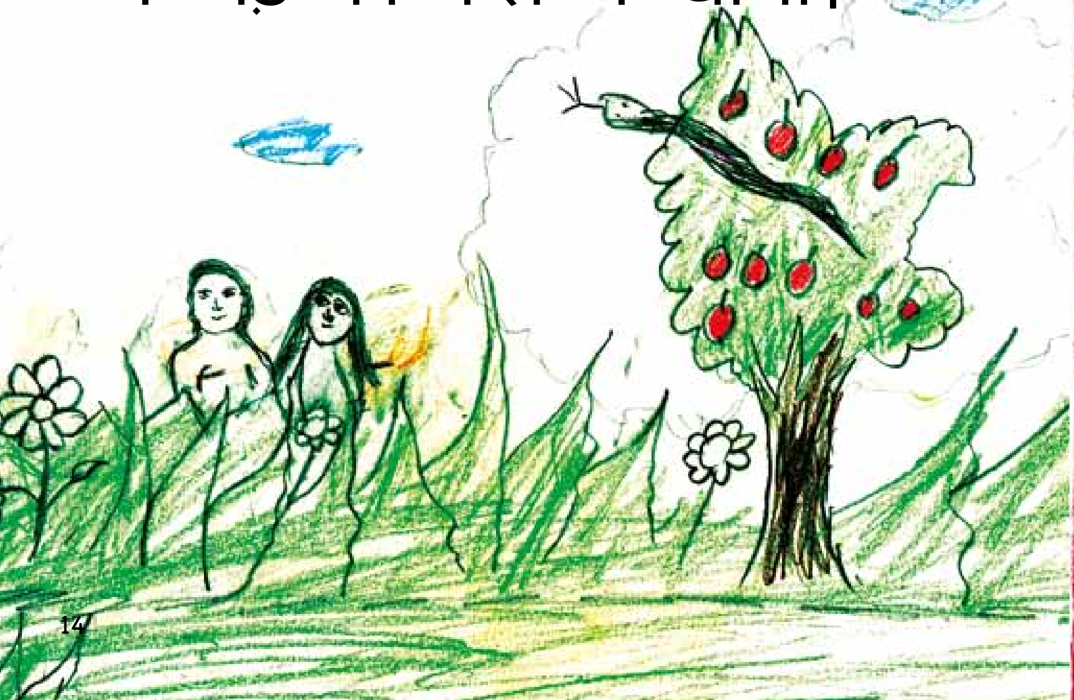

सबसे पहला आदमी और औरत
सुन नहीं रहे...सुन नहीं रहे...
सुन नहीं रहे।

मैं बुरी आत्मा को
यह कहते सुन सकता हूँ,

तुम सृजनहार परमेश्वर
के बराबर हो जाओगे।'

भले और बुरे के ज्ञान
के पेड़ का फल खा लो।'

सबसे पहली औरत
सुन रही है...सुन रही है...
सुन रही है।

मैं सबसे पहली औरत को
यह कहते सुन सकता हूँ,

मैं सृजनहार परमेश्वर
के बराबर हो जाऊँगी।

मैं भले और बुरे के ज्ञान
के पेड़ का फल खाऊँगी।’

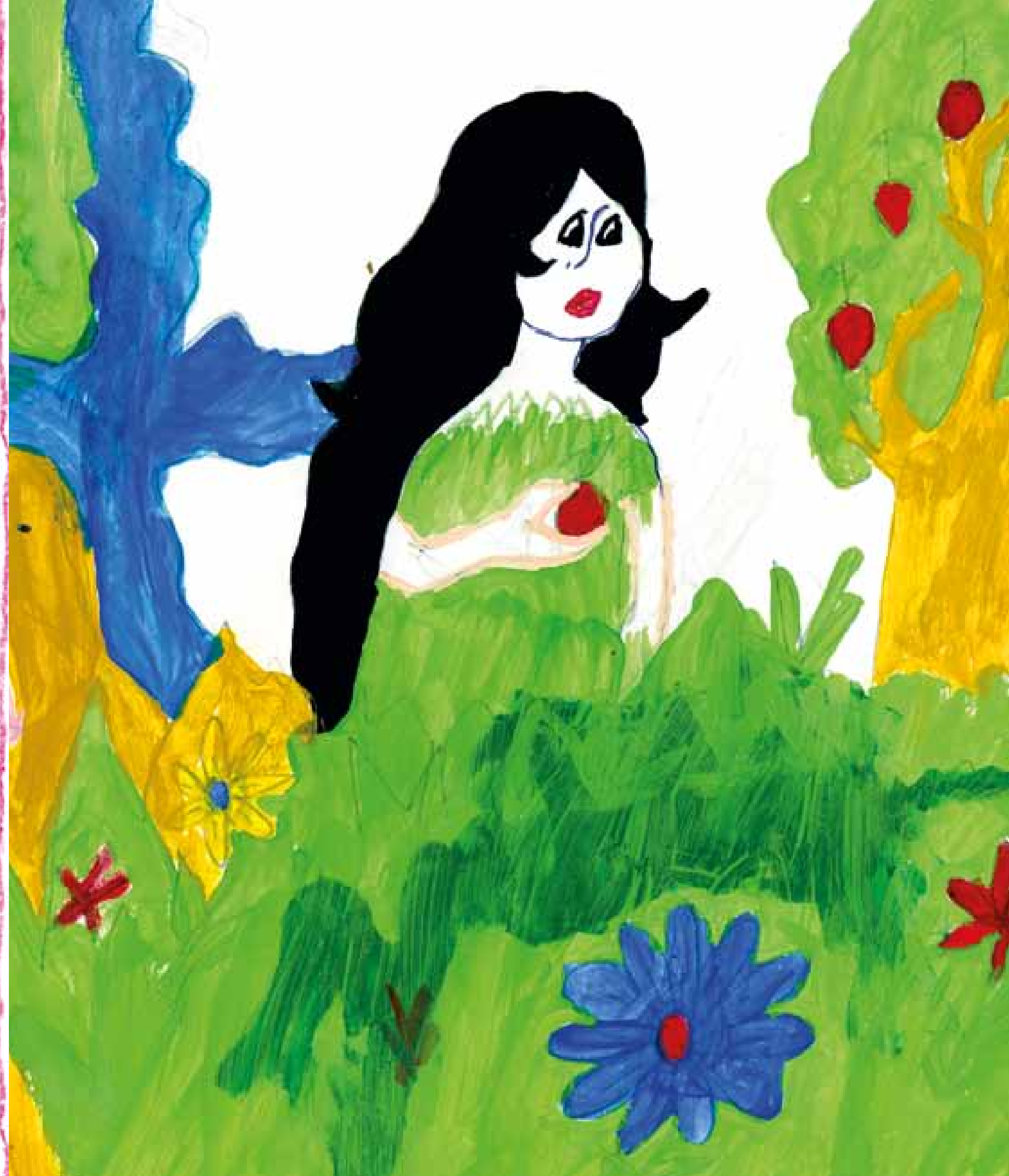

सबसे पहली औरत
खा रही है...खा रही है...खा रही है।

मैं सबसे पहले आदमी को
यह कहते सुन सकता हूँ,

मैं सृजनहार परमेश्वर
के बराबर हो जाऊँगा।

मैं भले और बुरे के ज्ञान
के पेड़ का फल खाऊँगा।'

सबसे पहला आदमी
खा रहा है...खा रहा है...खा रहा है।

मैं सबसे पहले आदमी और औरत को देखने की कोशिश करता हूँ।

सबसे पहला आदमी और औरत छिपे हुए हैं।

मैं सृजनहार परमेश्वर को यह कहते सुन सकता हूँ,

'मैं तुमसे अभी भी प्यार करता हूँ!'

‘मैं तुम्हें बचाऊँगा।
तुम मुझे पा लोगे।’

सृजनहार परमेश्वर
आ रहा है...